पद ११३

(ताग-झिंजोटी - ताल: दीपचंदी)

राजीवनयना रघुत्तमा रामा। सुखकर सीतावर सुंदर नामा।।ध्रु.।। अखिलानंदा अयोध्याधीशा। अगणितनामा हे अविनाशा।।१।। कोदंडधारी खमणि-कुल-दीपा। कल्मषनाशन कल्याण रूपा।।२।। दशरथनंदन दशशिर छेदा। दास माणिका दायक आनंदा।।३।।